



* ओड़िशा संस्करण

आजाद सिपाही

रांची 26 अगस्त, 2024, सोमवार, वर्ष 09, अंक 306, भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, अष्टमी, संवत् 2081, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा



पिछले साढ़े 4 साल में आपको

मिला क्या?



5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी

गरीब परिवारों को सालाना ₹72,000

सरकारी नौकरी मिलने तक ₹5000-7000 बेरोजगारी भत्ता



महिलाओं को आधार कार्ड पर ₹50,000 का लोन



गरीब महिलाओं को ₹2,000 चूल्हा-चौका भत्ता



विधवा माताओं-बहनों को वित्तीय सहायता

सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स एवं दवाइयाँ



नवविवाहित महिलाओं को सोने का सिक्का

पलामू चाईबासा हजारीबाग उपराजधानी

किसानों के लिए हर पंचायत में कोल्ड स्टोरेज



*और 300 से ज्यादा वादे रहे अधूरे

कुछ नहीं मिला

धनबाद में तेजी से उभरते नये चेहरे का मकड़जाल, किसके सिर सजेगा ताज?

दावेदारों की फेहरिस्त से जूझ रही हैं सभी राजनीतिक पार्टियां

कोयला राजधानी में आम मतदाताओं में पसरी है खमोशी

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्ततदेवतेरो जनः।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते॥

भागवत गीता के तृतीय अध्याय, श्लोक 21 में कहा गया है कि श्रेष्ठ पुरुष जो-जो आचरण यानी जो-जो काम करते हैं, दूसरे मनुष्य (आम इंसान) भी वैसा ही आचरण, वैसा ही काम करते हैं। श्रेष्ठ पुरुष जो प्रमाण या उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, समस्त मानव-समुदाय उसी का अनुसरण करने लग जाते हैं। श्रीकृष्ण सिर्फ कर्म करने की प्रेरणा देते हैं। इसलिए मानव को केवल और केवल कर्म में लीन रहना चाहिए जिससे वह श्रेष्ठ पुरुष का उदाहरण प्रस्तुत करे ताकि मानव उसी का अनुसरण करने लगे।

झारखंड विधानसभा चुनाव का बिगुल कभी भी बज सकता है।

झारखंड की सियासत में धनबाद जिला का योगदान और यहां का तुफान दोनों की पहचान लोकप्रिय और चर्चित होने के साथ प्रसांगिक भी है। धनबाद जिला के सभी विधानसभा पर कभी कांग्रेस का कब्जा था लेकिन समय रहते संगठन ने युवाओं को मौका नहीं दिया और परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस की विरासत धनबाद लालझंडे तले आ गया और वामपंथी का गढ़ बन गया। समय बदला और समय की मांग ने लालझंडा को उखाड़ फेंका और धनबाद जिला केसरिया रंग में रंग गया। केसरिया रंग में रंगा धनबाद को भाजपा का गढ़ माना जाता है। हालांकि, समय समय पर धनबाद जिला चेतन्या है कि समय की मांग ही हमें मंजूर है।

सत्तारूढ़ जेएमएम पार्टी का गठन भी धनबाद में ही हुआ लेकिन अब तक जेएमएम टुंडी विधानसभा से ही जीत दर्ज कर पाया है। वर्तमान में धनबाद जिला के छह विधानसभा में से चार सिंदरी, निरसा, बाघमारा और धनबाद विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक हैं। वहीं झरिया सीट से कांग्रेस के विधायक और टुंडी से जेएमएम के विधायक हैं।

विधानसभा चुनाव में अभी देरी है लेकिन धनबाद जिला की सभी छह सीटों के लिए दावेदारी शुरू है। दावेदारों की लिस्ट लंबी होती जा रही है। विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा, कांग्रेस, राजद, जदयू, जेएमएम पार्टी के दावेदार विधानसभा सीटों पर अपनी दावेदारी पुख्ता कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवारों से बायोडाटा मांगा है। वहीं भाजपा में दावेदार धमासान मचाए हुए हैं। भीतरी लड़ाई सतह पर आने लगी है। वहीं पार्टी छोड़ने और शामिल होने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। बाघमारा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की मंशा रखने वाले रोहित यादव ने अपने समर्थकों के साथ राजद छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया है। इधर, स्वच्छ अपनी छवि बनाने की भी होड़ लगी है। बैनर पोस्टर, सोशल मीडिया पर पेड न्यूज़ तथा पेड यूट्यूबर के जरिए चेहरा चमकाने पर लाखों खर्च अभी से शुरू हो गया है।

इनसब के बीच सबसे अधिक चर्चा धनबाद विधानसभा सीट को लेकर है। धनबाद विधानसभा सीट बीजेपी नेताओं के लिए हॉट सीट बन गई है। टिकट के लिए बीजेपी नेता आपस में विरोधी दलों की तरह एक दूसरे पर हमला कर रहे हैं। कोई विधायक के पूरे कार्यकाल पर सबाल उठा रहा है तो कोई उसपर पलटवार कर रहा है। वहीं कांग्रेस पार्टी के दावेदारों की लिस्ट भी धनबाद विधानसभा सीट पर लंबी होती जा रही है। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवारों से बायोडाटा मांगा है जिसमें अबतक 6 कांग्रेसियों ने धनबाद सीट के लिए दावेदारी पेश की है। दावेदारी जमा करने का अंतिम तिथि 28 अगस्त है।

इधर, धनबाद विधानसभा के विभिन्न इलाकों में समाजसेवी सह प्रख्यात एडवोकेट एलबी सिंह दौरा शुरू कर चुके हैं। इनकी मंशा धनबाद विधानसभा सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ने की है। इसके लिए एलबी सिंह अब वर्तमान भाजपा विधायक राज सिन्हा को सोधे जुबानी हमले से टारगेट भी कर रहे हैं। विधायक

झारखंड में सभी 81 सीटों पर राजनीतिक समीकरण बैठाने की जुगत जहां धीरे-धीरे आकार लेता जा रहा है, वहीं सभी 81 विधानसभा सीटों से अगला विधायक कौन? पर चर्चा और जातीय समीकरण की गोटी भी उछाल पर है। राजनीतिक दलों के कर्णधार पर सीटों पर भावी विधायक की दावेदारी पुख्ता के लिए जिला स्तरीय, मंडल स्तरीय, बूथ स्तरीय दावेदारों के नाम मांगे जा रहे हैं ताकि प्रदेश संगठन इसपर विचार करे। वहीं धन बल और प्रभावशाली व्यक्तित्व भी

आजाद सिपाही विशेष

इसकदर कर रहे हैं जैसे वह कोई ठोस राजनीतिज्ञ, प्रभावशाली समाजसेवी या फिर बहुत बड़ा रोबिनहुड या स्कॉलर हो। लेकिन, झारखंड की जनता का मूड इसबार कुछ अलग चाह रहा है। बीते लोकसभा चुनाव के दरम्यान झारखंड की जनता ने संकेत दे दिए हैं

कि वे कर्म की कसौटी पर परखेंगे तभी अपना मत देंगे। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में भी जनता उन्हीं को वोट करने का मन बनाया है जो उनकी कसौटी पर खड़ा हो। ऐसे में राजनीतिक दलों के सामने विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी का चयन भी चुनौती से भरा है। झारखंड के धनबाद जिला के छह विधानसभा निर्वाह गिरिडीह लोकसभा के दो बाघमारा और टुंडी विधानसभा सीट तथा धनबाद लोकसभा के चार विधानसभा सिंदरी, निरसा, झरिया और धनबाद विधानसभा सीट से अगला विधायक कौन ? की कड़ी में आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर झारखंड में भाजपा की अभेद्य किला धनबाद विधानसभा सीट पर क्या है राजनीतिक समीकरण, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता मनोज मिश्रा**

मयूर की चर्चा- कौआ चला हंस की चाल

धनबाद सीट से विधायक का सपना बुन रहे धनबाद के एक युवा की चर्चा कथावत के जरिए की जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पेड न्यूज़ और यूट्यूबर के भरोसे धनबाद की जनता को विकास और नैतिकता का रोजमैप बखान करते युवा नेता मयूर शेखर झा के बारे में कहा जा रहा है कि कौआ चले हंस की चाल अपना चाल भी बिसाल...दरअसल, यह इसलिए कहा जा रहा है कि मयूर शेखर झा पिछले कुछ महीनों तक कांग्रेस के प्रदेश कॉन्डिनेटर के तौर पर जाने जाते थे। लेकिन, इनदिनों कांग्रेस का

बैनर पोस्टर हटा कर अपने आप को धनबाद का हितैषी साबित करने पर तुले हुए हैं और सोशल मीडिया को सहारा बनाया है। पेशे से पत्रकार रह चुके मयूर शेखर झा साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दरम्यान कांग्रेस की टिकट से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। दाल नहीं गली तो बिना बैनर अब नैतिकता का पाठ सोशल मीडिया के जरिए पढ़ा कर विधायक बनना चाहते हैं। समाज में पकड़ नहीं है और ना ही कोई वजूद खड़ा किया है लेकिन अपने आप को धनबाद का विकास पुरुष के तौर पर स्थापित करना चाहते हैं।

बनाया है। राजपूत जाति से आते हैं लेकिन समाज में पखड़ द्वाक के तीन पात के बराबर है। गरीब और मध्य वर्ग के लोग हरेंद्र सिंह को अस्पताल मालिक के तौर पर जानते पहचानते तो हैं पर समाजसेवी नहीं मानते। हरेंद्र सिंह ने धन बल का जबरदस्त उपयोग कर विधायक बनने के लिए प्रयास शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया को हथियार बना कर छवि सुधारने का कोशिश जारी है। देखा जाए तो हरेंद्र सिंह की पहचान बड़े घरानों के बीच ही सीमित है। आम लोग इन्हें नहीं के बराबर जानते हैं। बड़े अस्पताल के संचालक होने के कारण उनका नेटवर्क सिर्फ बड़े लोगों के बीच ही सीमित है। भाजपा के एक राष्ट्रीय नेता से नजदीकी संपर्क है, लेकिन जीत दिलाने के नाकाफी है। राजनीति की बुनिया के नया खिलाड़ी हैं, संगठन का अनुभव नहीं है। बड़े लोगों से संपर्क और कुछ गिने चुने लोगों से चुनाव में जीत नहीं दिला सकता है। चुनाव में जीत उसे ही हासिल होता है, जिसे अमीर से लेकर मॉडिल क्लास और गरीब परिवार के सभी लोग जानते हैं। इनके अलावा प्रशांत सिंह, अमरेश सिंह, रामजीत सिंह, विनय सिंह आदि नाम भी भाजपा से टिकट के दावेदारों के लिस्ट में शामिल हैं। ये सभी चेहरे भाजपा संगठन से जुड़े चेहरे हैं। इन सभी चेहरों के नजर में संगठन सर्वोपरि है। भाजपा संगठन के प्रति निष्ठा रखते हैं और उम्मीद है कि भाजपा आलाकमान इनपर भरोसा जताएगी। इन नामों में अमरेश सिंह भाजपा की राजनीति में पिछले दस वर्षों से सक्रिय हैं। लोकसभा चुनाव 2019 और 2024 दोनों में भाजपा के प्रत्याशी के साथ काफी सक्रिय रहे हैं। भाजपा के एक राष्ट्रीय नेता के करीबी हैं। वहीं वर्तमान सांसद दुल्लू महतो के भी नजदीकी हैं। खुद को बड़े नेता के रूप में जताने के बीच अभी तक मजबूत पकड़ नहीं बना सके हैं। हाल के दिनों में कार्यक्रमों में सक्रियता बढ़ी है। सोशल मीडिया पर सालों से काफी एक्टिव रहते हैं। वहीं प्रशांत सिंह धनबाद के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह के पुत्र हैं। झारखंड हाइकोर्ट के अधिवक्ता हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य भी हैं। बार काउंसिल के सदस्य के रूप में तो सक्रिय रहे हैं, लेकिन कोयलांचल में भाजपा की राजनीति में सक्रियता नहीं के बराबर है। वर्तमान सांसद दुल्लू महतो से भी बेहतर संबंध नहीं हैं। हालांकि, साल 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान से प्रशांत सिंह का नाम धनबाद विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने को लेकर चर्चा में रहा है। इधर, रामजीत सिंह की बात करें तो वे



कांग्रेस खेमे में दावेदारों की लंबी लिस्ट पर राजनीतिक रसूख एक का भी नहीं

धनबाद विधानसभा सीट पर चुनावी मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच रही है। आगामी विधानसभा चुनाव-24 के मद्देनजर धनबाद सीट से कांग्रेस खेमे में दावेदारों की लंबी लिस्ट तो है पर इनमें से एक की भी राजनीतिक रसूख नहीं कहा जा सकता है। अभी तक धनबाद सीट से कांग्रेस के

रखते हैं और कोयलांचल के पहले माफिया डॉन कहे जाने वाले कांग्रेस नेता बीपी सिंहा के पोते हैं। वहीं रवि चौधरी एक सफल बिजनेसमैन और शिक्षा जगत में अपने टेक्निकल कॉलेज, बीएड कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, समेत विभिन्न शिक्षा व्यवसाय के लिए झारखंड और बिहार में

पहचान रखते हैं। रवि चौधरी और वैभव सिंहा दोनों ही भूमिहार जाति से तालुक रखते हैं। दमदार चेहरा की बात करें तो भाजपा के मुकाबले कांग्रेस में दमदार चेहरे की कमी है। संगठन में गुटबाजी के कारण दमदार चेहरे नहीं बने जो उभरे उन्हें खींचतान कर नीचे धकेल दिया गया।

अनुपमा की धनबाद पर नजर तो गुड़ू की चर्चा

धनबाद सीट से कांग्रेस के टिकट से कांग्रेस नेता धनबाद लोकसभा की प्रत्याशी रही अनुपमा सिंह की दावेदारी की भी चर्चा है। लोकसभा चुनाव हारने के बाद से ही संकेत दिए गए कि अनुपमा सिंह धनबाद विधानसभा सीट से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ सकती है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही अनुपमा सिंह धनबाद जिला में जमी हुई है। यहां अनुपमा इंटक संगठन को मजबूती देते हुए

का नाम धनबाद विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की लिस्ट में चर्चा में हैं। सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस आलाकमान बीते लोकसभा चुनाव में ही अभिषेक सिंह पर दांव लगाया चाहता था। कांग्रेस की सर्वेक्षण टीम ने अभिषेक सिंह के नाम पर एक सर्वे भी किया था लेकिन रसुलु परिवार से लोकसभा चुनाव ना लड़ने का फैसला पर अभिषेक सिंह का नाम कांग्रेस सर्वेक्षण टीम ने पीछे खींच

राज सिन्हा और एलबी सिंह के बीच जुबानी हमला शुरू हो गया है। बीते 20 अगस्त को सड़क पर जलजमकाव को लेकर घेरा में विधायक राज सिन्हा ने कई लोगों के साथ जल सत्याग्रह किया तो एलबी सिंह ने आरोपों की बौछार कर दी। एलबी सिंह ने निकम्मा जनसंघ करार देते हुए कहा कि वे 10 साल विधायक रहे। अगर काम किया होता तो जल सत्याग्रह करने की नौबत नहीं आती। हालांकि, दूसरी ओर धनबाद विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान विधायक राज सिन्हा आरखवस्त हैं कि भाजपा उन्हें तीसरी बार मौका देगी। उन्होंने धनबाद सीट से दावेदारों और टिकट के सवाल पर मीडिया से कहा कि पार्टी निर्णय लेगी किसको टिकट देना है और किसको नहीं। जनता जिस पर मुहर लगाएगी, वही चुनाव जीतेगा। चुनाव जीतने के लिए अलग से तैयारी नहीं करनी है। हम जब से विधायक बने हैं गली, नाली और मुहल्ले में ही घूमते रहे हैं और जनता के बीच ही रहे हैं। जनता फिर जिताएगी तो जीतेंगे।

उन्होंने, एलबी सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पार्टी का नया चेहरा है। ऐसा आसमान में बहुत उड़ता रहता है। यहां बता दें कि निवर्तमान विधायक राज सिन्हा साल 2009 में पहली बार भाजपा के टिकट से धनबाद विधानसभा सीट चुनाव लड़े लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। साल 2009 में भाजपा के राज सिंहा को 34.47 प्रतिशत वोट मिले जबकि कांग्रेस के मनना मलिक को 35.02 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं निर्दलीय नीरज सिंह को 11.21 प्रतिशत वोट मिले थे। पहली बार चुनाव में उतरे निर्दलीय प्रत्याशी नीरज सिंह भाजपा के लिए हार का कारण बने और राज सिंहा चुनाव मामूली वोट के अंतर से हार गए। कांग्रेस से मनना मलिक चुनाव जीते। साल 2014 में भाजपा ने फिर एकबार राज सिंहा को टिकट दिया और भाजपा 58.18 प्रतिशत वोट शेयरिंग के साथ जीती। राज सिंहा पहली बार धनबाद के विधायक बने। कांग्रेस के मनना मलिक को 34.84 प्रतिशत वोट मिला था। भाजपा और राज सिंहा

चंद्रशेखर अग्रवाल की है मजबूत दावेदारी

भाजपा के वरिष्ठ नेता धनबाद के मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल पहचान के मोहताज नहीं हैं। उनकी राजनीतिक छवि और मेयरों के तौर पर किए गए धनबाद के विकास कार्यों की सराहना सभी करते हैं। सूत्र बताते हैं कि चंद्रशेखर अग्रवाल ने फैसला लिया है कि भाजपा धन बल पर यदि धनबाद विधानसभा सीट पर किसी को टिकट देती है तो उनके समर्थक उसका विरोध करेंगे। उन्होंने धनबाद सीट से भाजपा में बाहुबली और धन बल के रसूखदारों से भाजपा को सचेत भी किया है। श्री अग्रवाल का मानना है कि भाजपा नीति और नीयत साफ रखते हुए संगठन के किसी व्यक्ति को टिकट देती है तो ठीक नहीं तो विरोध करेंगे। वैसे देखा जाये तो चंद्रशेखर अग्रवाल काफी लोकप्रिय हैं और भाजपा के प्रति समर्पित भी। लोकसभा में भी वह दावेदार थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। बावजूद इसके उन्होंने पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी, उसे उन्होंने बखूबी निभाया।

राजनीतिक गणित

धनबाद विधानसभा सीट पर राजनीतिक गणित की बात करें तो धनबाद में करीब 4.4 लाख वोट हैं। यहां नौकरी और व्यवसाय के लिए बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश से आकर बसे 60-65 फीसदी शहरी वोटर ही हमेशा प्रभावी होते हैं जो जीत-हार का फैसला करते हैं।



हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रेस कांफ्रेंस में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछा सवाल शिबू सोरेन जी का बेटा वादा पूरा नहीं करेगा, तो कौन करेगा ?

■ जब बाबूलाल मरांडी भाषण दे रहे थे, आप आंसू गैस का गोला दाग रहे थे

राकेश सिंह, विशेष संवाददाता रांची। भाजपा के फायर ब्रांड नेता, असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से हिमंत सरकार और राज्य के डीजीपी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने भाजपा के प्रमुख नेताओं संग 12 हजार भाजपा कार्यकर्ताओं पर एफआइआर करने पर डीजीपी को आड़े हाथों लिया। यहां तक कह डाला कि डीजीपी साहब, हेमंत सरकार को इतना तेल मत लगाइये, आपने लिमिट क्रॉस कर दी है। आपने गलत जगह हाथ डाल दिया है। मैं कोर्ट और इलेक्शन कमीशन के पास जाऊंगा और बोलूंगा कि ऐसे डीजीपी के रहते चुनाव नहीं हो सकता है। प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने हिमंत सोरेन द्वारा किये गये वादों, झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठिये, झारखंड में अलकायदा के बढ़ते नेटवर्क, सरकार की

वादखिलाफी, पुलिसिया व्यवस्था, बालू की कालाबाजारी का भी मुद्दा उठाया। उनके साथ मंच पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, सांसद और प्रदेश भाजपा के महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा, मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक और सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित थे।

हिमंता बिस्वा सरमा ने सबसे पहले हिमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला। उन्होंने एक टैग लाइन के माध्यम से अपने वक्तव्य की शुरुआत की। कहा कि हमें तो नहीं मिला, आपको मिला क्या? उन्होंने कहा कि पूरा झारखंड आज यही बात हेमंत सोरेन से पूछ रहा है कि हमें तो नहीं मिला, आपको मिला क्या? अगर झारखंड के पांच लाख युवाओं को नौकरी नहीं दी, तो राजनीति से संन्यास ले लूंगा। यह बात हमने तो नहीं बोली थी। न ही हमने हेमंत सोरेन को कहा था कि आप ऐसे वादे कीजिए। लेकिन आपने यह प्रण वीर शहीद

■ ऐसे डीजीपी के रहते फेयर चुनाव संभव नहीं, मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जायेंगे

निर्मल महतो के समाधि स्थल के पास लिया। आज मैं हेमंत सोरेन से पूछना चाहूंगा कि आप राजनीति से संन्यास एक महीने के भीतर लेंगे, या फिर एक-दो दिन के भीतर। मेरी जो जानकारी है, नवंबर में चुनाव होना है। अक्टूबर में झारखंड का शासन लगभग इलेक्शन कमीशन के पास चला जायेगा। आपके हाथ में सितंबर महीना है। आप सितंबर महीने में भी पूरा प्रयास कीजिए, लेकिन कम से कम आप अपने संन्यास लेने की तारीख बता दीजिए कि हम 20 सितंबर या 2 अक्टूबर को, गांधी जयंती का दिन होगा अच्छा होगा, आप इस दिन विधिवत रूप से राजनीति से संन्यास ले लीजिए। हेमंत जी, मेरे पिता तो इतने बड़े नहीं थे, लेकिन आपके पिताजी झारखंड और देश के बहुत बड़े व्यक्ति हैं। अगर शिबू सोरेन जी का बेटा अपना वादा नहीं निभा सकता है, तो कौन ये वादा निभायेगा। आज झारखंड हेमंत सोरेन से पूछता है कि पांच हजार प्रति महीना बेरोजगारी भत्ता के हिसाब से 15 हजार करोड़ हमारे युवाओं का पैसा कहाँ गया? यह अब तक मिल जाना चाहिए था, लेकिन नहीं मिला। पेंशन के नाम पर माताओं को 3750 करोड़ रुपया मिल जाना चाहिए था, जो आपने नहीं दिया। झारखंड की 50 लाख महिलाओं को 50 हजार गारंटी फ्री लोन के अनुसार ढाई लाख करोड़ मिल जाना चाहिए था, जो नहीं मिला।

■ न्यायिक जांच की मांग करेंगे, 12 हजार अज्ञात लोगों पर केस शुद्ध रूप से ब्लैकमेलिंग है

एफआइआर में रणधीर सिंह और कंचे मुंडा का आपने नाम दिया है, तो वे रांची में थे या नहीं थे। हिमंता बिस्वा सरमा ने चुनाव आयोग से आग्रह किया कि ऐसे डीजीपी के भरोसे झारखंड में चुनाव संपन्न नहीं हो सकता है। हिमंता सरमा ने कहा कि हेमंत सोरेन से जवाब मांगने सितंबर में फिर हम लोग आ रहे हैं। हम लोग शहीद निर्मल महतो जी की समाधि पर भी जायेंगे, वहीं से आपको वादों की याद दिलायेंगे। आपके वादों को निभाना होगा। आप भले अपने वादे भूल जाइयेगा परंतु हम लोग आपको सोते-जागते इस वादे को भूलने नहीं देंगे। हम तो पूछेंगे ही, झारखंड का हर एक नागरिक पूछेगा कि मुझे तो नहीं मिला, आपको मिला क्या ?

■ आज झारखंड की जनता पूछ रही है, हमें तो नहीं मिला, आपको मिला क्या?

डीजीपी से किया सवाल

हिमंता ने डीजीपी को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार की इतनी तरफदारी भी ठीक नहीं। कार्यकर्ता के रूप में काम नहीं करिये। यह केस सुप्रीम कोर्ट में एक दिन भी नहीं टिकेगा। इस एफआइआर को लेकर कानून के दायरे में हम लोग डीजीपी को कानून सिखा देंगे। डीजीपी साहब, आपने गलत जगह हाथ डाल दिया है। जोरमएम वाले बोलते हैं कि रैती में 5000 आदमी ही अंदर थे, तो फिर यह 12000 का आंकड़ा आपके पास डीजीपी साहब कहाँ से आया। भारत में संविधान का राज है। तीन दिनों में 12000 का आप नाम दीजिए, अन्यथा हम लोग इसे कोर्ट में लेकर जायेंगे। अज्ञात लोगों के नाम पर ब्लैकमेलिंग का रास्ता आप मत खोलिए। आप पता कर लीजिए, एफआइआर में रणधीर सिंह और कंचे मुंडा का आपने नाम दिया है, तो वे रांची में थे या नहीं थे। हिमंता बिस्वा सरमा ने चुनाव आयोग से आग्रह किया कि ऐसे डीजीपी के भरोसे झारखंड में चुनाव संपन्न नहीं हो सकता है। हिमंता सरमा ने कहा कि हेमंत सोरेन से जवाब मांगने सितंबर में फिर हम लोग आ रहे हैं। हम लोग शहीद निर्मल महतो जी की समाधि पर भी जायेंगे, वहीं से आपको वादों की याद दिलायेंगे। आपके वादों को निभाना होगा। आप भले अपने वादे भूल जाइयेगा परंतु हम लोग आपको सोते-जागते इस वादे को भूलने नहीं देंगे। हम तो पूछेंगे ही, झारखंड का हर एक नागरिक पूछेगा कि मुझे तो नहीं मिला, आपको मिला क्या ?

मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश प्रभारी की हुई मुलाकात हेमंत और मीर के बीच हुई राजनीतिक हालात पर चर्चा

विधायकों के साथ भी कांग्रेस प्रदेश प्रभारी की हुई बैठक

कहा- पहली प्राथमिकता सीटिंग सीटों पर जीत सुनिश्चित करने की

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर की रविवार को मुलाकात हुई। दोनों नेताओं की मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात हुई। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश नये अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और कांग्रेस विधायक दल के नेता रामेश्वर उरांव ने, जामुना विधायक कल्पना सोरेन समेत अन्य लोग मौजूद थे। बैठक में वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। उधर, कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने पार्टी विधायकों के साथ भी बैठक की। उन्होंने कहा कि पहली प्राथमिकता सीटिंग सीटों पर जीत सुनिश्चित करने की है।

विकास, योजनाओं, विस चुनाव पर हुई चर्चा

प्राप्त जानकारी के अनुसार हेमंत सोरेन और गुलाम अहमद मीर के बीच जनहित से जुड़े मुद्दों, राज्य में चल रहे विकाससामक योजनाओं के कार्यान्वयन तथा झारखंड की मौजूदा राजनीति पर चर्चा हुई। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई।

विधानसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा: रांची के सफिट हाउस में रविवार को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर की अध्यक्षता में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में विधानसभा चुनाव पर मंथन किया गया। विधायकों से चुनाव की तैयारियों पर फीडबैक भी लिये गये। साथ ही संयुक्त घोषणा पत्र

के लिए विधायकों से सुझाव मांगे गये। प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि पहली प्राथमिकता सीटिंग सीटों पर जीत सुनिश्चित करने की होनी चाहिए। इसके अलावा बैठक में राहुल गांधी के झारखंड दौरे को लेकर भी चर्चा की गयी। इसके लिए विधायकों को तैयारी करने का निर्देश दिया गया। बैठक के बाद विधायक बादल पत्रलेख ने कहा कि विधायकों से संयुक्त घोषणा पत्र के लिए सुझाव मांगे गये हैं। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, रामेश्वर उरांव, राजेश ठाकुर, बन्ना गुप्ता, इरफान अंसारी, बादल पत्रलेख, राजेश कच्छप, नमन विक्ल कोगाड़ी, उमाशंकर अकेला, भूषण बाड़ा, सोना राम सिंघू, प्रदीप यादव, अनुप सिंह, शिल्पी नेहा तिकी और रामचंद्र सिंह मौजूद थे। निजी कारणों से दीपिका पांडेय सिंह, अंबा प्रसाद और पूर्णिमा नीरज सिंह शामिल नहीं हो सके।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में पांच बड़े मुद्दों पर की चर्चा परिवारवादी राजनीति नयी प्रतिभाओं का दमन करती है: मोदी

बिना पॉलिटिकल बैकग्राउंड के युवा नेताओं से लोकतंत्र मजबूत होगा

आजाद सिपाही संवाददाता नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह मन की बात के 113वें एपिसोड में कहा कि परिवारवादी राजनीति नयी प्रतिभाओं का दमन करती है। बिना पॉलिटिकल बैकग्राउंड वाले युवाओं के राजनीति में आने से लोकतंत्र मजबूत होगा। मैंने इस साल लालकिले से बिना पॉलिटिकल बैकग्राउंड वाले एक लाख लोगों को पॉलिटिकल सिस्टम से जुड़ने की बात कही थी। इससे पता चला कि हमारे युवा राजनीति में आना चाहते हैं, लेकिन उन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत है। परिवारवादी राजनीति के अलावा मोदी ने तिरंगा

तिरंगा अभियान ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा और पूरा देश तिरंगा अभियान सफल रहा। देश के कोने-कोने से इस अभियान से जुड़ी अद्भुत तस्वीरें सामने आयीं। धरो, स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी में हमने तिरंगा देखा। इस अभियान ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा। यही 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' है।

संस्कृत के प्रति लोगों का विशेष लगाव दिख रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने 19 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया। उसी दिन पूरी दुनिया में 'विश्व संस्कृत दिवस' भी मनाया। आज देश-विदेश में संस्कृत के प्रति लोगों का विशेष लगाव दिखता है। दुनिया के कई देशों में संस्कृत भाषा को लेकर तरह-तरह की रिसर्च और प्रयोग हो रहे हैं।

कहा कि इस 23 अगस्त को ही हम सब देशवासियों ने पहला नेशनल स्पेस डे मनाया। पिछले वर्ष इसी दिन चंद्रयान-3 ने चांद के दक्षिणी हिस्से में शिव-शक्ति पॉइंट पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की थी। भारत इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को हासिल करनेवाला दुनिया का पहला देश बना। मोदी ने गैलेक्सी-आइ स्टार्टअप खड़ा करने वाले आइआइटी मद्रास के छात्रों से भी चर्चा की।

बच्चों के न्यूट्रिशन के लिए जागरूकता: प्रधानमंत्री ने कहा कि हर साल 1 सितंबर से 30 सितंबर के बीच बच्चों के न्यूट्रिशन के लिए पोषण माह मनाया जाता है। जागरूकता बढ़ाने के लिए एनीमिया कैंप लगते हैं। आंगनवाड़ी के तहत मदर एंड चाइल्ड कमेटी की स्थापना की गयी है। पिछले साल इस अभियान को नयी शिक्षा नीति से भी जोड़ा गया।





संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड



श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार P.R. 333748 (IPRD) 24-25

कोलकाता की ट्रेनी डॉक्टर की दुष्कर्म-हत्या के विरोध में निकला कैंडल मार्च

बेटियों को सुरक्षा दें: अरुणा शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म व हत्या के प्रतिवाद में रविवार को होटल ज्योतिनिक प्रांगण से प्रथम महापौर अरुणा शंकर के नेतृत्व में एक विनाशाल कैंडल मार्च निकाला गया, जो विभिन्न रास्तों से होते हुए हीद चौक (कचहरी चौक) पहुंच कर समाप्त हुआ। कैंडल मार्च में ज्योति प्रकाश महिला बीईडी कॉलेज, एलिट कॉलेज और कुंवर पृथ्वी नाथ बीईडी कॉलेज की छात्राओं के अलावा मेडिकल



प्रथम महापौर अरुणा शंकर की अगुवाई में निकाले गये विशाल कैंडल मार्च में शामिल लोग।

स्टुडेंट्स, आनंद मोटर्स की महिला कर्मी एवं चेंबर के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान आरजी कर कांड को लेकर

छात्राओं में काफी आक्रोश देखा गया। इस अवसर पर प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने कहा कि हम सभी को न्याय चाहिए, ताकि

ऐसी घटना हमारी लाडली बेटियों के साथ दोबारा ना हो। हम अपने लाडलियों को बड़ी-बड़ी संस्थाओं में पढ़ाई करने भेजते हैं, लेकिन

वहां भी सरकार अगर सुरक्षा नहीं दे पाती है तो यह बड़े शर्म की बात है। आखिर हमारी लाडली बेटियां कहाँ सुरक्षित रहेंगी। इस मौके पर छात्रा साक्षी गुप्ता, नेहा रानी, श्रुति तिवारी, नेहा कार्तिक, अलका सिंह, शोभा कुमारी, रचनादीप, अंजली कुमारी, प्रिया पांडे, अनामिका कुमारी, सोनाली कुमारी, प्रगति, नंदन, आनंद मोटर्स की ओर से श्वेता सिंह, रुबीना कुमारी, स्वाती और पलामू चेंबर की ओर से कृष्ण अग्रवाल, राकेश सोनी, पुनीत सिंह, चंदू कमलापुरी, भूपेंद्र सिंह होरा आदि उपस्थित थे।

नर सेवा ही नारायण सेवा : मिशन समृद्धि

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। जरूरतमंद लोगों व महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत मिशन समृद्धि संस्था अपने कार्यों से मेदिनीनगर शहर ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों में भी अपनी पहचान बना चुकी है। समृद्धि की रीटी अभियान के लिए संस्था के सदस्यों का परिश्रम मानवता के लिए समर्पित है। यह संस्था पलामू के पारंपरिक हृदय को जिंदा रखने वाले एक वर्ग जो दोना-पतल बनाते हैं उनके लिए संवेदनशील हैं। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी पतल अच्छा माना जाता है। इसे प्रोत्साहित करना भी हमारा धर्म है। इनकी आमदनी बिल्कुल ही कम है फिर भी ये बड़ी तमयता से अपने कार्यों में लगे रहते हैं। मिशन समृद्धि संस्था इनके बीच रोटी ही नहीं कपड़े का भी वितरण करती है। संसाधन के अभाव में हम बहुत कुछ करने में सक्षम नहीं हैं फिर भी उनके बीच यथासंभव करने के लिए हमेशा तैयार होते हैं। अंबेडकर पार्क के सामने दोना-पतल और दातून बेचने वालों के बीच रोटी सब्जी का वितरण किया गया। इस कार्य में ममता गुप्ता, आशा शर्मा, रंजीता, बैजंती गुप्ता, वीणा राज, शिल्पी गोकाम्बी, बेबी पांडेय, शैलेंद्र कुमार आदि का सराहनीय योगदान हमेशा रहता है। संस्था की प्रबंधक अहिल्या गिरि ने उनके योगदान की सराहना भी की है।

पंसस मंजू देवी के 120 वीं वार्षिक ससुर का निधन



हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत ढक्का की पंचायत समिति सदस्य मंजू देवी के ससुर और समाजसेवी रामबल पाल के 120 वीं वार्षिक पिता चतुर्गुण पाल का शनिवार को शाम निधन हो गई। उनके निधन पर राजद नेता कमलेश कुमार यादव सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने रविवार को दाह संस्कार में भाग लेकर मृत आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। राजद नेता कमलेश यादव ने कहा कि आज के दौर में 50 से 60 वर्ष होते ही लोग स्वर्गलोक पधार जा रहे हैं। 120 और बेटों के सेवा से चतुर्गुण पाल जैसे बुजुर्गों बहुत ही कम हैं जो 120 वर्ष तक जी रहे हैं। इस मौके पर शिक्षक बबन पाल, श्रवण कुमार पाल, कृष्णा पाल, महावीर पाल, अभिषेक कुमार, राजकुमार सिंह, रमेश पाल, बच्चन राम, शिवलाल राम, विलाश राम, मंगल सिंह आदि ने अंतिम यात्रा में शामिल होकर परिजनों को ढाढस बंधाया।

अनियंत्रित ट्रक ने खड़े ट्रक में मारी टक्कर, दो घायल

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के एनएच 139 पर अनियंत्रित ट्रक ने खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मार दिया। इस घटना में चालक और सह चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना शनिवार की रात 12 बजे एनएच 139 बामसापी मोड़ के पास घटित हुई। ट्रक के टक्कर से ट्रक के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के साथ चालक एवं सह चालक केबिन में फंस गये थे। स्थानीय प्रशासन एवं आसपास के लोगों की तत्परता से क्रैन की मदद से दोनों को बाहर निकाल कर सीएचसी केंद्र भेजा गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल भेज दिया गया।

स्पोर्ट्स

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 23 साल बाद टेस्ट में हराया, रावलपिंडी में 10 विकेट से जीता

एजेंसी

रावलपिंडी। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार मात दी। बांग्लादेशी टीम ने रावलपिंडी में दो टेस्ट मैच की सीरीज के पहले मुकाबले में 10 विकेट की जीत हासिल की। इससे पहले दोनों टीमों का आमना-सामना 14 बार हुआ है, इनमें से 12 बार पाकिस्तान ने जीत दर्जा की है, जबकि एक ड्रॉ रहा और एक मैच रद्द हो गया था। दोनों टीमों ने साल 2001 में पहली बार टेस्ट खेला था। रविवार को पाकिस्तान ने 23/1 से अपनी दूसरी पारी को आगे बढ़ाया और 146 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह बांग्लादेश को जीत के लिए 30 रन का लक्ष्य मिला, जिसे बांग्लादेशी ओपनर्स ने आसानी से हासिल कर लिया। विकेटकीपर



बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने 51 रन की पारी खेली। जबकि ओपनर अब्दुल्लाह शफीक 37 और बाबर आजम 22 रन बनाकर आउट हुए। बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। वहीं शाकिब अल हसन को 3 विकेट मिले। बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 565 रन पर ऑलआउट हो गई। जबकि पाकिस्तान ने 448/6 के स्कोर पर पहली पारी घोषित की थी।

कोच पर भड़के पाकिस्तानी कप्तान: पाकिस्तान-बांग्लादेश मैच के तीसरे दिन पाकिस्तानी कप्तान शान मसूद ड्रेसिंग रूम में अपना आपा खोते हुए नजर आए। इस दौरान उनकी टीम के नए हेड कोच जेसन गिलेस्पी से बहस भी हुई। इसके पीछे की वजह बाबर आजम को बताया जा रहा है। पाकिस्तान को पास बांग्लादेश को पहली पारी में जल्दी ऑलआउट करने का मौका था, लेकिन खराब

फील्डिंग की वजह से बांग्लादेश के पुछल्ले बल्लेबाजों ने रन बनाए। इसी को लेकर शान मसूद कोच से बात करते दिखे।

शाकिब को आया गुस्सा, बैटर की ओर बॉल फेंकी: पाकिस्तान टीम को दूसरी पारी के 33वें ओवर के दौरान शाकिब बॉलिंग कर रहे थे। वहाँ शाकिब इस ओवर की दूसरी गेंद फेंकने के लिए जब अपना रनअप पूरा करके आए तो रिजवान उसे खेलने के लिए तैयार नहीं थे। बांग्लादेश के अनुभवी गेंदबाज को इसका पता बिल्कुल आखिरी समय में चला। रिजवान की हरकत से शाकिब को गुस्सा आया और उन्होंने रुक कर गेंद को विकेटकीपर लिटन दास की तरफ थ्रो किया। शाकिब की ये हरकत ऑन फील्ड अपायर रिचर्ड मेहदी को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई और उन्होंने इशारों में

उत्तर दिया कि यह क्या था। वहाँ अपायर ने शाकिब को चेतावनी भी दी। शाकिब को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने अपायर से अपनी हरकत के लिए माफी भी मांगी।

पाकिस्तान दूसरी पारी में 146 रन पर सिमटी

मैच के आखिरी दिन पाकिस्तान ने 23/1 से अपनी दूसरी पारी को आगे बढ़ाया और 146 रन पर ऑलआउट हो गई। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने 51 रन की पारी खेली। जबकि ओपनर अब्दुल्लाह शफीक 37 और बाबर आजम 22 रन बनाकर आउट हुए। बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। वहीं शाकिब अल हसन को 3 विकेट मिले।

